क्लीनिकल ट्रायल्स

शायद आपने ये शब्द सुना हो 'क्लीनिकल ट्रायल्स' और आश्चर्य किया हो कि यह क्या है। क्लीनिकल ट्रायल्स आज तक उपलब्ध सम्पूर्ण केन्सर उपचार को प्राप्त करने का एक तरीका है।

नीचे क्लीनिकल ट्रायल्स के बारे में कुछ सूचना दी गई है। आपके लिए यह निर्णय कर पाना कि क्या एक क्लीनिकल ट्रायल आपके लिए उचित है, इसके लिए आपके द्वारा वह सब जान लेना और अपने डाक्टर या नर्स और अपने परिवार व मित्रों से बातचीत कर लेना सहायक होगा। यह सदैव आप पर निर्भर करेगा कि आप एक क्लीनिकल ट्रायल में भाग लेना चाहते हैं या नहीं।

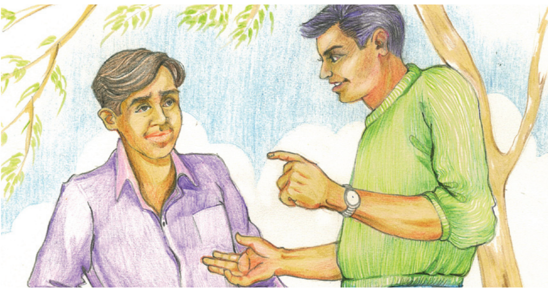

सी.बी.सी.सी. – यू.एस.ए. से प्राप्त पायनिरिंग अनुदान से
इस उपयोगी सामग्री को आंशिक रूप से तैयार करना संभव हुआ है।

क्लीनिकल ट्रायल्स क्या हैं?

क्लीनिकल ट्रायल्स रोगियों के साथ किया गये अनुसंधान अध्ययन है। ये अध्ययन यह जांचते हैं कि एक नया उपचार कितना सुरक्षित है और कितना बेहतर काम करेगा। क्लीनिकल ट्रायल्स रोग की रोकथाम या उसको जानने के नए तरीकों की भी जांच करती है। इन अध्ययनों से केन्सर की रोकथाम, निदान तथा उपचार के अनेक नए मार्ग प्रशस्त हुए हैं।

India Cancer Initiative

Distributed by

Cancer Patients Aid Association
TOTAL MANAGEMENT OF CANCER

American Cancer Society®

क्लीनिकल ट्रायल्स के उद्देश्य

क्लीनिकल ट्रायल्स नए उपचारों या प्रक्रियाओं को गहराई से देखने के लिए की जाती हैं। एक क्लीनिकल ट्रायल तब ही की जाती है जब इस बात पर विश्वास करने का ठोस कारण हो कि अध्ययन किए जा रहे उपचार, जांच या प्रक्रिया वर्तमान में उपयोग में लाई जा रही तकनीकों से बेहतर होगी। क्लीनिकल ट्रायल्स में उपयोग में लाए जाने वाले उपचार प्राय: लाभप्रद होते हैं। यदि ऐसा सिद्ध हो पाता है तो ये उपचार आगे जाकर मानक उपचार भी बन जा सकते हैं।

क्लीनिकल ट्रायल्स जांच कर सकती है:

- नई दवाइयों की जिन्हें वैधानिक विनियामक प्राधिकरण (regulatory authorities) द्वारा अभी तक स्वीकृत नहीं किया गया है।
- उन दवाइयों के नए उपयोगों की जो कि पहले से ही स्वीकृत हैं।
- उपचार जैसे विकिरण चिकित्सा पद्धति (रेडिएशन थैरेपी)
- सर्जरी
- जड़ी-बूटियां तथा विटामिन
- उपचारो को साथ-साथ काम में लेने के नए तरीके

अनुसंधानकर्ता नये उपचारों का अध्ययन निम्न प्रश्नों के उत्तर देने के लिए करते हैं:

- क्या यह उपचार सहायक है?
- इस उपचार का सबसे अच्छा तरीका क्या है?
- क्या यह उपचार वर्तमान में उपयोग में लाये जा रहे उपचारों से अच्छा काम करता है?
- ये उपचार कौन से प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करते हैं?
- किन रोगियों को इस उपचार के द्वारा सबसे अधिक सहायता मिलने की संभावना है?

एक क्लीनिकल ट्रायल में सम्मिलित होने से कैसा लगेगा ?

यदि आप एक क्लीनिकल ट्रायल सम्मिलित हुए हैं तो आप पाएंगे कि विशेषज्ञों का एक दल आपकी देखभाल कर रहा है और आपकी प्रगति को बहुत ध्यान से देखभाल रहा है। एक प्रमाणिक उपचार की तुलना में अधिक डाक्टर आपको देखने आ रहे हैं और आपकी लेबोरेटरी जांचें भी ज्यादा हो रही हैं।

किन्तु इसमें कुछ खतरे भी हैं। यह कोई नहीं जानता कि आगे चलकर क्या यह उपचार सफल होगा या इसके प्रतिकूल प्रभाव क्या होंगे- यह अध्ययन यह सब कुछ जानने के लिए ही होता है। यद्यपि अधिकतर प्रतिकूल प्रभाव समय के साथ चले जाते हैं, कुछ लम्बे समय तक भी बने रह सकते हैं या जीवन तक के लिए खतरा हो सकते हैं। परन्तु प्रमाणिक उपचारों के भी प्रतिकूल प्रभाव होते हैं।

क्लीनिकल ट्रायल में सम्मिलित होने का निर्णय करना

यदि आप एक क्लीनिकल ट्रायल में भाग लेना चाहते हैं तो इसकी शुरूआत अपने डाक्टर से यह जानकर करें की क्या उनका चिकित्सालय ये क्लीनिकल ट्रायल्स करता है। आपको कुछ आवश्यकताओं को भी पूरा करना होगा, जैसे कि आपमें एक विशिष्ट प्रकार के केन्सर का होना या अगर आप महिला है तो आपका गर्भवती ना होना। परन्तु ये आप पर ही निर्भर करेगा कि आप क्या एक क्लीनिकल ट्रायल में भाग लेना चाहते हैं।

क्लीनिकल ट्रायल में भाग लेने से आप अन्य मेडिकल सेवाओं की आवश्यकताओं से वंचित नहीं रहते हैं। आप किसी भी समय किसी भी कारण से क्लीनिकल ट्रायल से हटने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होते हैं। आपके वाले केन्सर के लिए उपलब्ध क्लीनिकल ट्रायल्स के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने डाक्टर या नर्स से बात करें।

मैं अधिक जानकारी कैसे प्राप्त कर सकता हूं?

अधिक जानकारी के लिए कृपया www.cancer.org वेबसाइट को देखें

©2010, American Cancer Society, Inc. No.011348
India Project

American Cancer Society®
Global

cancer.org

CBCC
COMPREHENSIVE
BLOOD & CANCER CENTER
Outsmarting Cancer

Creation of this material was made possible
in part by a pioneering grant from CBCC-USA.